बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना
सफलता की कहानी
दूध उत्पादक श्री अनिल सोनी ने रू 2.00 लाख का दूध विक्रय किया
नरयावली (सागर)

बुन्देलखण्ड क्षेत्र का सागर जिला में वैकल्पिक साधन उपलब्ध न होने के कारण पिछडा क्षेत्र माना जाता है। इस क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज अंतर्गत डेयरी गतिविधियों को समाहित किये जाने से क्षेत्र के दूध उत्पादकों द्वारा पशुपालन में रूचि दिखाई गई एवं दूध व्यवसाय के प्रति आकर्षित हुए। दूध उत्पादकों से हुई चर्चा में उनके द्वारा बताया गया कि यद्यपि उनके द्वारा दूध उत्पादन पूर्व से किया जा रहा था किंतु दूध का मूल्य रू 15–17 प्रति लीटर ही प्राप्त होता था एवं उचित मूल्य न मिलने के कारण अधिक दूध उत्पादन नहीं कर पाते थे। वर्तमान में रू 24/– लीटर दूध विक्रय कर रहा है।

किन्तु सागर जिले में बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज अंतर्गत सागर में दुग्ध सहकारी समितियों के गठन का कार्यक्रम प्रारंभ होने से क्षेत्र के ग्राम नरयावली में दुग्ध समिति गठन होने से दूध उत्पादकों द्वारा रूचि दिखाई गई। ग्राम के ही श्री अनिल सोनी ैध्व श्री भागीरथ सोनी जो कि पूर्व में मात्र 3 दुधारू पशु रखते थे एवं 5 लीटर दूध प्रति दिन होता था वर्तमान में इनके पास 13 दुधारू पशु है एवं 20 लीटर प्रति दिन दूध प्राप्त हो रहा है। एवं जहां पूर्व में इनका दूध प्राइवेट व्यापारी द्वारा रू 18 लीटर प्रति दिन से क्रय किया जाता था, वर्तमान में इन्हें दुग्ध समिति से रू 24 प्रति लीटर दूध का मूल्य प्राप्त हो रहा है। एवं दूध उत्पादन से प्रति दिन रू 310/– की आय प्राप्त हो रही है।

इनके द्वारा यह भी बताया गया है कि वे प्रारंभ से ही समिति गठन से समिति से जुड़े हुए है दूध प्रदाय कर रहे है एवं उनके द्वारा रू 196800/– का दूध विक्रय किया जा चुका है। दूध विक्रय से इन्हें पशुपालन में रूचि जागृत हुई है एवं अपने अन्य आकस्मिक व्ययों की पूर्ति हेतु सहायता प्राप्त हो रही है। योजना क्षेत्र के आर्थिक पिछडेपन को दूर करने में सहायक सिद्ध हो रही है। श्री अनिल सोनी और अधिक दुधारू पशुपालन के इच्छुक है एवं अन्य ग्रामवासियों को भी पशुपालन की सलाह देते हैं।

.....